विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग नवम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता:- १६/०९/२०२० (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

पाठ:दशम: पाठनाम जटायो: शौर्यम्

श्लोक ११.

जटायुस्तमतिक्रम्य तुण्डेनास्य खगाधिप:।

वामबाहून्दश तदा व्यपाहरदरिन्दम:।।

अन्वय-

तदा खगाधिप: अरिन्दम: जटायु: तुण्डेन अतिक्रम्य

अस्य वाम दश बाहून व्यपाहरत् ।

शब्दार्था:-

जटायु:- जटायु ने , तम् – उसको , अतिक्रम्य - झपट करके

तुण्डेन – चोंच से , अस्य – उसकी (रावण की), खगाधिप: - पक्षिराज

वाम – बाईं ओर की , बाहून – भुजाओं को , व्यपाहरत् – नष्ट कर दिया

अरिन्दम: - शत्रुओं का नाश करने वाली

अर्थ-

तब उस पक्षीराज जटायु ने शत्रुओं का नाश करने वाली अपनी चोंच से झपटकर (आक्रमण करके) उसकी (रावण की)बाईं ओर की दशों भुजाओं को नष्ट कर दिया।